सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 261, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड केडीएः अवैध निर्माण पर तीन परिसर सील... » Pg02

» Pg12

सपा बहादुर का डेलिगेशन को बरेली भेजना बचकाना और बड़ी नौटंकी

तगड़ा ऐक्शनः तौकीर के करीबियों पर शिकंजा

नफीस के पैलेस पर चला योगी बाबा का बुलडोजर

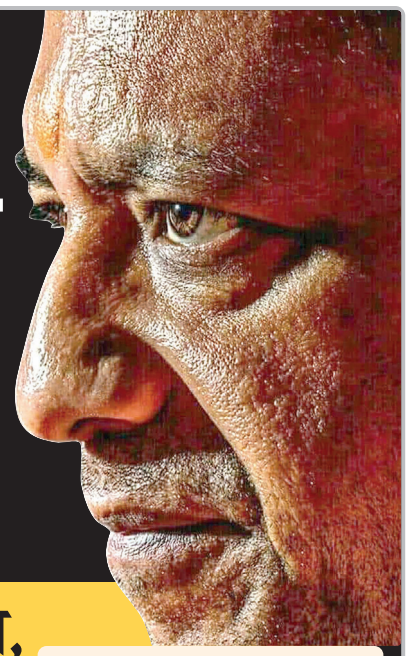

मौलाना को शरण देने वाले फरहत का घर भी सील, 48 घंटों के लिए इंटरनेट-ब्रॉडबैंड सेवाए निलंबित

कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उठाया कदम

पुलिस का कहना है कि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। प्रतिनिधिमंडलीय यात्रा के दौरान जनसमस्याओं को मंच पर उठाया जाएगा। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि अभी तक कोई समस्या उत्पन्न नहीं हुई है। यहाँ किसी भी तरह की कोई अव्यवस्था नहीं है। हर जगह पुलिस तैनात है।

उपद्रवियों को सख्त संदेश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बरेली। बरेली में 26 सितंबर को जुमा नमाज के बाद हुए बवाल के आरोपियों के खिलाफ ऐक्शन पर ऐक्शन हो रहा है। पुलिस और प्रशासन की टीम उपद्रवियों और उनके करीबियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। शनिवार को जखीरा स्थित रज़ा पैलेस पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। यह इमारत आईएमसी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नफीस खां और उनके पार्टनर शोहेब बेग की बताई जा रही है। कार्रवाई से पहले बिजली कनेक्शन काट दिए गए। उसके बाद प्रशासन, पुलिस और बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम तीन बुलडोज़रों के साथ मौके पर पहुंची और अवैध हिस्से को गिराने की कार्रवाई शुरू कर दी। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात की गई है। प्रशासन का कहना है कि उपद्रवियों की अवैध संपत्तियों पर यह अभियान जारी रहेगा।

बरेली बवाल के मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा, आईएमसी महासचिव डॉ. नफीस खां और नदीम खान को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि वह उपद्रवियों और हिंसा के साजिशकर्ताओं की अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्तियों को निशाना बनाएगा।

बरेली में बवाल के दौरान तौकीर रजा खां को शरण देने के आरोप में चर्चा में आए फरहत खां के फाइक इंक्लेव स्थित मकान पर शनिवार को कार्रवाई की गई। बीडीए ने गुरुवार तक का समय देते हुए फरहत खां को मकान खाली करने का नोटिस दिया था। शनिवार को जिला प्रशासन और बीडीए की टीम फरहत के घर पहुंची। मकान खाली पड़ा हुआ था। टीम ने मुख्य गेट पर ताला को तोड़कर अपना ताला लगा दिया। इसके बाद सीलिंग की कार्रवाई पूर्ण की गई। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री आदि मौजूद रहे।

भारी पुलिस फोर्स मौजूद

शनिवार को हुई बुलडोजर कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस फोर्स, पीएसी और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात रही। ताकि किसी भी तरह की अशांति को रोका जा सके। रजा पैलेस को अवैध निर्माण मानते हुए जिला प्रशासन और बरेली विकास प्राधिकरण ने यह ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, रजा पैलेस को अवैध रूप से वक्फ की संपत्ति पर या सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाया गया था। डॉ. नफीस खां पहले ही बवाल के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा के साथ जेल भेजे जा चुके हैं।

डॉ. नफीस की गिरफ्तारी के बाद अब उनके व्यापारिक पार्टनर शोएब बेग की संपत्ति पर यह कार्रवाई हुई है। इस बुलडोजर कार्रवाई को उपद्रवियों और हिंसा के साजिशकर्ताओं को एक कड़ा संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है कि अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इससे पहले भी प्रशासन तौकीर रजा के अन्य करीबियों और उनके रिश्तेदारों के अवैध कब्जों को हटा चुका है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि वह इस मामले में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई होगी।

नेता प्रतिपक्ष हाउस अरेस्ट, बर्क के घर पुलिस, इकरा और मलिक को भी रोका

बरेली/लखनऊ। यूपी के बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद हालात तनावपूर्ण हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय समेत कई सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल आज बरेली जाने वाला था।

सोमवार सुबह से ही लखनऊ में नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडे के आवास के बाहर भारी पुलिस तैनाती है। माता प्रसाद पांडेय को हाउस अरेस्ट कर लिया है। हालांकि वह आवास के बाहर आए और गाड़ी में बैठने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें पुलिस ने रोक लिया। वहीं, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर पुलिस बल तैनात है।

उधर, बरेली जा रहे सपा के एक सांसद प्रतिनिधिमंडल, जिसमें मोहिबुल्लाह नदवी, इकरा हसन और हरेंद्र सिंह मलिक शामिल थे, को यूपी पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर गाजीपुर सीमा पर रोक दिया है। मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि हमें बरेली जाने से रोका जा रहा है। यह असंवैधानिक है। सपा सांसद इकरा हसन कहती हैं, हमें समझ नहीं आ रहा कि अघोषित आपातकाल में हमें किस बिनाह पर रोका जा रहा है। पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी काली करतूत छुपाना चाहती है कि हमें बरेली नहीं जाने दे रही है। नेता प्रतिपक्ष पांडे ने कहा कि स्थानीय पुलिस ने उन्हें एक नोटिस दिया है, जिसमें उन्हें घर पर ही रहने और बरेली न जाने का निर्देश दिया गया है।

केडीए: अवैध निर्माण पर तीन परिसर सील

सील किए गए परिसर

20/125, 20/125B, चटाई मोहाल (स्वामी मो. आरिफ मिश्रा, छोटेलाल, अनिल कुमार मिश्रा व अन्य)

32/90, मनीराम बगिया (स्वामी - सुमित कुमार बाजपेई)

11/33, ग्वालटोली (स्वामी - आदित्य गुप्ता व अन्य)

लगभग 250 वर्गमीटर क्षेत्र में सील तोड़कर स्लैब डालने का कार्य चल रहा था।

करीब 140 वर्गमीटर क्षेत्र में बेसमेंट खोदकर शटरिंग की जा रही थी।

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। केडीए के 03 अक्टूबर 2025 के अनुपालन में केडीए के प्रवर्तन जोन-1 द्वारा शुक्रवार को तीन अलग-अलग परिसरों पर सीलिंग की कार्यवाही की गई। यह कार्रवाई प्रभारी अधिकारी सी.बी. पांडेय, अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल व संतोष गौड़ की मौजूदगी में प्रवर्तन गैंग और स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से सम्पन्न हुई।लगभग 220 वर्गमीटर क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र के कॉलम खड़े किए जा रहे थे। केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने स्पष्ट किया है कि सील तोड़कर अवैध निर्माण करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं, गौरतलब है कि असिस्टेंट इंजीनियर नितिन भारद्वाज के आकस्मिक अवकाश पर होने के चलते फिलहाल चार्ज सी.बी. पांडेय को सौंपा गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पद संचलन संपन्न

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विजयदशमी के पावन अवसर पर कानपुर उत्तर भाग की विभिन्न बस्तियों में अनुशासित पद संचलन का आयोजन किया गया। पद संचलन में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में पंक्तिबद्ध होकर देशभक्ति के गीत गाते हुए निकले। स्वयंसेवकों के अनुशासन और जोश से वातावरण में उल्लास और देशभक्ति का संचार हुआ ।स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक स्वयंसेवकों का स्वागत किया और उनकी भावभीनी सराहना की। इस अवसर पर बस्तियों में देशभक्ति का माहौल और उमंग देखने को मिली।

समाधान दिवस में तीन में से सिर्फ एक दरोगा पहुंचे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नरवल तहसील में एडीएम विवेक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में तहसील के तीन थानों में से मात्र एक दरोगा पहुंचे। इस पर एडीएम ने फटकार लगाते हुए जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट भेजने की बात कही।

कानपुर के नरवल तहसील सभागार में शनिवार को एडीएम फाइनेंस विवेक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है। तहसील के अंतर्गत आने वाले तीन थानों में से समाधान दिवस में मात्र एक महाराजपुर थाने के दरोगा ही पहुंचे।

समाधान दिवस में अन्य दो थानों के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर एडीएम विवेक कुमार ने नाराजगी व्यक्त की और जानकारी जुटाते हुए मौजूद दरोगा को फटकार लगाई। एडीएम ने कहा है कि वह अन्य थानों की गैरमौजूदगी के संबंध में जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर को विस्तृत रिपोर्ट भेजेंगे।

अवैध कब्जे से संबंधित थीं शिकायतें

वहीं, खराब मौसम की वजह से समाधान दिवस में फरियादियों की संख्या बेहद कम रही। जो फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, संबंधित अधिकारियों ने उनकी सुनवाई की। समाधान दिवस में ज्यादातर शिकायतें जमीन से जुड़े विवादों और अवैध कब्जे से संबंधित थीं। इस दौरान उपजिलाधिकारी विवेक कुमार मिश्रा, तहसीलदार विनीता पांडेय, नायब तहसीलदार समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फर्जी नियुक्ति पत्र देकर शिक्षक दंपती से 14.50 लाख की ठगी

» मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर लगाया झांसा

» चेक बाउंस होने के बाद पीड़िता ने पुलिस कार्यालय में लगाई गुहार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नवाबगंज क्षेत्र के एक शिक्षक दंपती को मेट्रो में नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर ठग ने 14.50 लाख रुपये हड़प लिए। आरोपित ने दोनों को नियुक्ति पत्र भी थमा दिए, लेकिन जब दंपती गुरुदेव चौराहा स्थित मेट्रो मुख्यालय पहुंचे तो नियुक्ति पत्र फर्जी निकला।

इसके बाद रुपये मांगने पर ठग ने आठ लाख की चेक दी, जो बाउंस हो गई ।शिक्षक अभय प्रताप का आरोप है कि वर्ष 2022 में उनकी मुलाकात विष्णुपुरी निवासी एक व्यक्ति से हुई थी। उसने खुद को मेट्रो का मैकेनिकल इंजीनियर बताया और नौकरी लगवाने का दावा किया। शिक्षक से आठ लाख और उनकी पत्नी से साढ़े छह लाख रुपये वसूल लिए।

अभय प्रताप को 6.23 लाख सालाना पैकेज का इवेंट मैनेजर और उनकी पत्नी को 4.88 लाख पैकेज पर

ऑफिस असिस्टेंट पद पर नियुक्ति का झांसा दिया गया ।पीड़ित पक्ष का कहना है कि ज्यादातर रकम ऑनलाइन ट्रांसफर की गई थी। जब नियुक्ति पत्र फर्जी साबित हुआ और चेक बाउंस हो गए तो सोमवार को पीड़िता ने संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध-मुख्यालय से गुहार लगाई। फिलहाल मामले की जांच नवाबगंज थाने को सौंपी गई है ।उधर, आरोपित पक्ष का कहना है कि उसने मेट्रो में नौकरी दिलाने का दावा नहीं किया था, बल्कि किसी अन्य व्यक्ति के पास भेजा था। उसके मुताबिक, उसने कुछ रकम वापस भी की है, लेकिन अब शिक्षक ने अनावश्यक आरोप लगाए हैं।

करोड़ों खर्च फिर भी बदहाल गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन

» यात्री सुविधाओं पर खर्च हुए इंतजामों में मानकों की अनदेखी

» प्लेटफार्म पर फर्श पर कई जगह उखड़ी बजरी, हो रही लापरवाही

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर का गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन, जिसे करोड़ों रुपये खर्च कर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक रूप देने का दावा किया गया, आज भी यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। प्लेटफार्म नंबर 2 और 3 पर टाइलें उखड़ने लगी हैं, फर्श पर घास उग आई है और सुविधाओं का वादा कागजों तक ही सीमित दिखाई दे रहा है।

गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण निश्चित रूप से एक बड़ा कदम था, लेकिन यदि सुविधाएँ धरातल पर यात्रियों तक नहीं पहुंचतीं तो यह विकास अधूरा है। यात्रियों की उम्मीदें साफ हैं— रेलवे वादों पर नहीं, हकीकत पर काम करे।

बड़े-बड़े वादे, हकीकत कमजोर

प्रधानमंत्री द्वारा इसी साल गोविंदपुरी स्टेशन के आधुनिकीकरण का वर्चुअल उद्घाटन किया गया था। रेलवे ने दावा किया था कि स्टेशन पर आधुनिक प्रतीक्षालय, साफ-सुथरे प्लेटफार्म, चौड़े कॉरिडोर, रैम्प और बेहतर यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

इतना ही नहीं, इसे पिंक स्टेशन बनाते हुए संपूर्ण प्रबंधन महिलाओं को सौंपने का अनोखा प्रयोग भी किया गया।

रेलवे का कहना था कि आने वाले समय में 100 ट्रेनें यहां रुकेंगी और सेंट्रल स्टेशन का दबाव घटेगा।

वर्तमान में यहां लगभग 139 ट्रेनों का ठहराव का दावा हुआ था और अगस्त 2025 से 50 और ट्रेनों के रुकने की घोषणा भी हुई है।

यात्रियों की शिकायतें समझिए

हकीकत में हाल अलग है। यात्रियों का कहना है कि प्लेटफार्म की फर्श टूट रही है, जगह-जगह गंदगी और पानी भरा रहता है, प्रतीक्षालय की स्थिति जर्जर है और बुनियादी सुविधाएँ जैसे कि शौचालय और बैठने की व्यवस्था बेहद कमजोर है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई

और करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद सुविधाएँ उद्घाटन समारोह तक ही सीमित रह गईं। क्या आधुनिकीकरण सिर्फ दिखावे का काम बनकर रह गया?

क्या रखरखाव पर रेलवे का ध्यान नहीं है?

क्या यात्रियों की शिकायतों का समाधान करने की कोई ठोस प्रणाली मौजूद है?

इंजेक्शन लगाते ही महिला की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर स्थित नर्सिंगहोम में हाथ-पैर में मामूली सूजन व खांसी-जुखाम के इलाज में इंजेक्शन लगाते ही 28 वर्षीय महिला की हालत गंभीर हो गई। वह छटपटाने लगी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। यह देखकर पति बेहोश होकर गिर पड़ा।

परिजनों ने गलत इंजेक्शन का आरोप लगाया हंगामा किया तो चिकित्सक समेत पूरा स्टॉफ भाग निकला। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और शव पोस्टमार्टम भेजा। आरोप है कि मूसानगर की आशाबहू यहां सरकारी अस्पताल में दिखाने की बात कहकर लाई थी, लेकिन कमीशन के चक्कर में नर्सिंगहोम लेकर पहुंच गई।

कानपुर देहात के मूसानगर आढ़न

» परिजनों ने काटा हंगामा

» भागा चिकित्सकों और नर्सिंगहोम का पूरा स्टॉफ

गांव निवासी अजीत कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह उनकी पत्नी सुधादेवी ने हाथ-पैर में मामूली सूजन व खांसी और जुखाम की दिक्कत बताई थी। इस पर वह पत्नी को लेकर समीप के सरकारी अस्पताल गए। वहां दिखाने के बाद आशाबहू ने कहा, सुधा को कानपुर के सरकारी अस्पताल में दिखाओं, जल्द आराम मिलेगा। इसके बाद आशा उनके साथ कानपुर आई।

यहां सरकारी अस्पताल न ले जाकर कल्याणपुर स्थित लक्ष्य नर्सिंगहोम पहुंचा दिया। वहां सुधा का चेकअप हुआ और इसी बीच स्टॉफ ने एक इंजेक्शन लगा दिया। उसके बाद

ही वह छटपटाने लगी। कुछ ही देर में सुधा की मौत हो गई। यह देखकर अजीत बेहोश होकर गिर पड़ा और परिजन गलत इंजेक्शन का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। रोने-चिल्लाने का शोर होने पर डॉक्टर व पूरा स्टॉफ मौके से भाग निकला। खबर पाकर पहुंची कल्याणपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

आशा पर कमीशन का आरोप

लाखन सिंह ने बताया कि आशाबहू सरकारी अस्पताल में इलाज की बात कहकर नर्सिंगहोम ले गई। वहां पता चला कि उसकी बेटी उसी नर्सिंगहोम में नौकरी करती है। उसे हर मरीज का अच्छा कमीशन मिलता है। इसी चक्कर में वह उनके झूठ बोलकर यहां लाई और उनकी बहन की जान चली गई।

गलत इंजेक्शन से महिला की मौत की परिजनों ने शिकायत की है। मामले की जांच कर रिपोर्ट सीएमओ ऑफिस भेजी गई है। वहां से रिपोर्ट आने पर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा... रंजीत कुमार, एसीपी।

कालपी के अमरौधा निवासी सुधा के पिता लालाराम, मां शकुंतला, भाई लाखन सिंह ने बताया कि सात साल पहले उकसी शादी हुई थी। उसके पांच साल का बेटा है। सुबह खुद ही घर का पूरा काम किया है। सिर्फ हाथ-पैर में दर्द व सूजन के अलावा उसे कोई दिक्कत नहीं थी। ऐसे में इंजेक्शन लगाते ही कैसे मौत हो गई। नर्सिंगहोम स्टॉफ गलत ने इंजेक्शन लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार विसरा सुरक्षित है।

अरौल थाने को मिलेगा नया रूप, करोड़ों की लागत से बनेगा अत्याधुनिक भवन

स्वीकृति की जानकारी होम डिपार्टमेंट यूपी के एक्स अकाउंट पर साझा

»सरकार ने 7.18 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कानपुर कमिश्नरेट के पश्चिमी जोन के अंतर्गत आने वाले अरौल थाना को जल्द ही नया और अत्याधुनिक रूप मिलने जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने थाने की नई बिल्डिंग के निर्माण के लिए 7.18 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है।

गृह विभाग , उत्तर प्रदेश के आधिकारिक एक्स हैंडल पर 3 अक्टूबर शुक्रवार को इस स्वीकृति की जानकारी साझा की गई। नई बिल्डिंग बनने से पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्यस्थल के साथ-साथ आवास, मीटिंग हॉल और अन्य आधुनिक सुविधाएँ भी उपलब्ध होंगी। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सीएनडीएस को सौंपी गई है, जबकि स्वीकृत धनराशि का उपयोग मार्च 2026 तक किए जाने का प्रावधान है। थाने की नई इमारत तैयार होने के बाद अरौल थाना आधुनिक पुलिसिंग का मॉडल बनकर उभरेगा, जिससे क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। वर्तमान थानाध्यक्ष जनार्दन यादव ने बताया कि उन्हें इस संबंध में जानकारी मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई है, हालांकि अभी तक अधिकारीयों ने कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। थाने की नई बिल्डिंग के लिए भूमि बकोठी के पास चिन्हित की गई है।

2023 में हुआ था उद्घाटन

कानपुर में कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद, बिल्हौर थाने के अंतर्गत आने वाली चौकी अरौल को अपग्रेड कर थाना का रूप दिया गया था। इसका उद्घाटन फरवरी 2023 में तत्कालीन पुलिस आयुक्त बी.पी. जोगदंड ने किया था। उद्घाटन के बाद से ही थाने में बुनियादी सुविधाओं की कमी महसूस की जा रही थी। यहाँ न तो स्टाफ के रहने की व्यवस्था थी और न ही पर्याप्त कार्यालय कक्ष। हालांकि तत्कालीन इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार पाल ने क्षेत्रीय जनता की मदद से थाने के पास एक बैरक का निर्माण कराया था, जिससे पुलिस कर्मियों को काफी राहत मिली।

बिल्हौर का हाईटेक थाना आखिरी चरण में

आज़ादी के बाद से अपने नए भवन की प्रतीक्षा कर रहा बिल्हौर थाना अब लगभग तैयार हो चुका है। करोड़ों रुपये की लागत से बिल्हौर बाईपास हाइवे के पास इसका निर्माण अंतिम चरण में है।

थाने के निर्माण के दौरान नेताओं, वकीलों और एक समुदाय के विरोध के बावजूद तत्कालीन थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार भाटी के प्रयासों से इसकी नींव रखी जा सकी। एसीपी बिल्हौर अमरनाथ ने बताया कि निर्माण कार्य में अब लगभग दो से तीन महीने और लगेंगे। इसके बाद उद्घाटन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

पिता की डांट के बाद पार्थ ने घर छोड़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र के दुबियाना गांव से 15 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। पार्थ शर्मा पिता की डांट के बाद घर छोड़कर चला गया और देर रात तक वापस नहीं लौटा।

पार्थ के पिता विनय कुमार शर्मा ने बताया कि उन्होंने बेटे को डांटा था, जिसके बाद वह नाराज होकर घर से निकल गया। परिवारीजन और रिश्तेदारों ने आसपास के इलाकों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शिवराजपुर थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें किशोर के लापता होने की जानकारी प्राप्त हुई है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है।

राज्य अध्यापक पुरस्कार हासिल कर चुके शिक्षक राजन लाल का ग्राम बंसथी में भव्य स्वागत

चौबेपुर (कानपुर)। प्राथमिक विद्यालय बंसथी प्रथम, विकासखंड चौबेपुर के शिक्षक राजन लाल ने राज्य अध्यापक पुरस्कार 2024 हासिल कर अपनी मेहनत और समर्पण का लोहा मनवाया है। इस उपलब्धि पर ग्राम बंसथी के बच्चों के अभिभावकों और विद्यालय के पुरातन छात्रों ने उनका माल्यार्पण कर भव्य स्वागत और सम्मान किया।

गांव के अभिभावकों ने बताया कि राजन सर बच्चों के भविष्य को संवारने में हमेशा अग्रणी रहे हैं। इस अवसर पर गांव के अभिभावक छोटे शंकर, नारायण, जगराम, शिव शंकर, डॉ. हकीम सिंह, अमित कुमार, गौरव, अजीत कुमार, सरवन, अंकित कुमार, पप्पू सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

अजपा में वेद प्रकाश कुशवाहा बने बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बोले- 2027 में हम बनाएंगे सरकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। अपनी जनता पार्टी ने संगठन विस्तार के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के निर्देश पर शिवराजपुर के एक निजी स्थल पर बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भगवती प्रसाद सागर और प्रदेश उपाध्यक्ष महादेव कुशवाहा ने की। बैठक में वेद प्रकाश कुशवाहा को बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसी क्रम में चांद बाबू को अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष तथा विमल गौतम को विधानसभा महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भगवती प्रसाद सागर ने कहा कि अपनी जनता पार्टी बहुजन समाज की सच्ची आवाज है। हम जनाधार बढ़ाकर 2027 में सत्ता में आएंगे और प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में नई राजनीति की दिशा तय करेंगे। 27 में हम सरकार बनाकर रहेंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी तेजी से नए कार्यकर्ताओं को जोड़ रही है और संगठन को गाँव-गाँव तक मजबूत बना रही है।

ग्रामीण जिलाध्यक्ष रामराज मौर्य ने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जा रहा है ताकि जनता तक पार्टी का संदेश मजबूती से पहुँच सके। उन्होंने कहा कि 2027 में बहुजन एकता और अपनी जनता पार्टी मिलकर प्रदेश में नई राजनीति का अध्याय लिखेगी। वहीं नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। बैठक में एडवोकेट महेंद्र कुशवाहा, श्याम बाबू कुशवाहा, संतोष, अवधेश कुशवाहा, गोपाल, अशोक, अरुण कुशवाहा, जीतू सैनी, अजय कमल, विकास, संजू, सुरेश, गोविंद कुशवाहा, सूरज कुशवाहा, पवन कुशवाहा, बंशीधर, रामधार कुशवाहा, लौकुश कुशवाहा, रामेश्वर, शिवकुमार, रविंद्र, राजू राठौर, राजकुमार गौतम, सौरभ, सागर, हर्ष कुशवाहा, श्यामेश, अंकित समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

दवा कंपनियों की जिम्मेदारी तय हो

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निर्माता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है।

बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा।विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दर्शाया जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों के द्वारा तैयार सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है.. जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने दवाइयों के गुणवत्ता मानकों को तय करने के लिए सख्त तरीके जीएमपी अनुपालन हेतु समय-समय पर निरीक्षणों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं।

अमेरिकी अविश्वास से बनती नई कूटनीतिक

बलवंत सिंह

ट्रंप की नीतियां विश्व स्तर पर नये गठबंधन, सत्ता समीकरण को जन्म दे रही हैं। हर देश इस समय अपने को केंद्र में रखकर कई स्तरों में वार्ता व समझौते कर रहा है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वजह से क्या विश्व कूटनीति में नये समीकरण उभर रहे हैं, नई दोस्तियां हो रही हैं, नए समझौते हो रहे हैं इनके केंद्र में पश्चिमी एशिया व एशिया है, जहां के देशों के बीच पुनर्मिलन व नई संरचनाएं हो रही हैं। इसमें से न्यू वर्ल्ड ऑडर भी आकार ले सकता है। विश्व व्यापार में जी-7 देशों का दबदबा कम होना और जी-20 का प्रभाव बढ़ना क्या इसका सूत्रधार है।ये तमाम सवाल ट्रंप के रोज नए पैंतरों और उनके जवाब में देशों के झुकने के बजाय नये रास्ते निकालने से और तेज हो गये हैं। इसके एक ज्वलंत उदाहरण के रूप में, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता दिखाई देता है।

जिस तरह से ये दोनों देश—जो अमेरिका के साथ ही माने जाते हैं, वे साथ आए, उससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खलबली मची है। सवाल है कि क्या पश्चिम एशिया के देशों में खासतौर से जो अमेरिका की गुड बुक्स में रहे हैं, उनका भरोसा अमेरिका से हट रहा है। पश्चिम एशिया के देश क्या अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इसे ट्रंप द्वारा अफगानिस्तान के तालिबानी शासन पर बगराम एयरबेस को वापस मांगने के लिए धमकी देने वाले घटनाक्रम से भी जोड़कर देखा जा सकता है। जिस तरह से तालिबानी शासन ट्रंप की इस मांग का विरोध कर रहा है—वह उसके वर्चस्व को चुनौती देने जैसा प्रतीत होता है। और तो और ट्रंप ने भारत पर जो एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर 88 लाख रुपये सालाना करके एक और वार किया, उसमें चीन का के-1 वीजा का ऑफर भी इसी सिलसिले में दिखाई देता है।

आखिर पश्चिमी एशिया में ऐसा क्या घट रहा है, जिसकी वजह से सऊदी अरब और पाकिस्तान ने इतना अहम समझौता किया। दरअसल, इस समझौते के पीछे सबसे बड़ा कारक है कतर पर किया गया इस्राइल का हमला। जिस तरह से इस्राइल ने अच्छी-खासी दूरी को लांघते हुए कतर की राजधानी दोहा पर हमला किया—उसने पूरे इलाके में गहरा विक्षोभ व असंतोष पैदा किया। कतर अमेरिका का पुराना सहयोगी देश है और यहां वर्ष 2000 से अमेरिका का सैन्य अड्डा है। कतर की राजधानी दोहा के पास मौजूद अल उदैद एयरबेस पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ते एयर ऑपरेशंस का मुख्यालय है। यानी कतर को यह 100 फीसदी गारंटी थी कि अमेरिका का सैन्य अड्डा यहां है, लिहाजा वह इस्राइल समेत तमाम देशों के किसी भी हमले से महफूज़ है। जब दोहा में हमास के नेताओं को मारने के लिए इस्राइल ने हमला बोला—तब उसका ये विश्वास खंडित हो गया। यहां कतर का यह कहना भी वाजिब है कि वह अमेरिका के कहने पर ही फलस्तीन के मिलिटेंट संगठन हमास के संग शांति वार्ता आयोजित कर रहा था ऐसे में उसकी राजधानी पर इस्राइल का हमला—उसके लिए बर्दाश्त करना बहुत मुश्किल था। पूरे इलाके में खलबली मची। साथ ही साथ सऊदी अरब को भी लगा कि वह भी सुरक्षित नहीं है, क्योंकि इस्राइल की मिसाइलें सऊदी के एयर स्पेस को पार करके ही दोहा पहुंच सकती थीं। सऊदी अरब पश्चिमी एशिया में बड़ा देश है और उसे भी गहरी बेचैनी व असुरक्षा लगी। वरना, अभी तक ये सारे देश (मुस्लिम देश) विश्व कूटनीति में अमेरिका के साथ ही माने जाते रहे हैं।इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी एक तरह से कतर को उसकी औकात बताने के लिए कहा कि उन्होंने ट्रंप को दोहा पर इस हमले के बारे में बता दिया था। यानी इस्राइल ने अपनी बॉसगीरी को छुपाकर नहीं रखा और यह भी कह दिया कि वह आगे भी ऐसा ही करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी मजबूरी में कहना पड़ा कि इस्राइल सही कह रहा है। सऊदी अरब जो इस इलाके का सबसे बड़ा और शक्तिसंपन्न देश है, उसने गहरी असुरक्षा से भरकर ही पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाया।

तबाही का सबब बन सकती हैं ग्लेशियर झीलें

ग्लोबल वार्मिंग संकट

ज्वाला सिंह दास

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। ये झीलें टूटने पर बाढ़ जैसी आपदाओं का कारण बन सकती हैं।जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि निचले इलाकों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है, क्योंकि इन झीलों के टूटने से बाढ़ जैसी आपदाएं आ सकती हैं। उच्च हिमालय में झीलों का यह विस्तार वैज्ञानिकों और प्रशासन दोनों के लिए गहरी चिंता का विषय बन गया है।

वैज्ञानिकों के अनुसार ग्लेशियर झीलों का तेजी से विस्तार भविष्य में 2013 की केदारनाथ त्रासदी जैसी आपदाओं का कारण बन सकता है। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में 13 बेहद खतरनाक और 5 उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं। कई झीलें मौसम व भौगोलिक कारणों से बनती-बिगड़ती रहती हैं। हाल ही में पिथौरागढ़ की दारमा घाटी में नई ग्लेशियर झील के आकार में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है।केन्द्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक अकेले अरुणाचल में 197 से ज्यादा ग्लेशियर झीलें हैं। ये अपना खतरनाक स्तर पर विस्तार कर रही हैं। इनके बाद लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, हिमाचल और उत्तराखंड में झीलें हैं। एनडीएमए ने उत्तराखंड की इन खतरनाक 13 झीलों को तीन श्रेणियों में बांटा है। पिछले दिनों में गंगोत्री की

केदारताल और चमोली में वसुतारा झील का काफी विस्तार हुआ है। इन झीलों के गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. एम.पी.एस?. बिष्ट द्वारा वर्ष 2014 और 2023 के उपग्रह चित्रों के अध्ययन से यह चिंताजनक खुलासा हुआ है। उनके मुताबिक ये झीलें हिमनद के असंगठित मलबे—मोराइन डैम की रुकावट से बनी हैं। उनका मानना है कि इस खतरे को देखते हुए सरकारों और अन्य वैज्ञानिक संस्थानों को समय रहते इन झीलों का आकलन कर तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। वास्तव में उत्तरकाशी की धराली की घटना ने उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर झीलों के बढ़ते खतरे को फिर से चर्चा में ला दिया है।वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान चौराबाड़ी ग्लेशियर झील के फटने से हुई तबाही ने ग्लेशियर झीलों के खतरे को गंभीर मुद्दा बना दिया। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में लगभग 968 ग्लेशियर और कई हजार ग्लेशियर झीलें मौजूद हैं। इन झीलों में अत्यधिक बर्फ पिघलने से अक्सर बाढ़ का खतरा बना रहता है। इन झीलों का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड की आशंका लगातार बनी रहती है। हकीकत यह है कि मौसम के इस बदलते पैटर्न के बारे में बहुत कुछ समझना अभी भी बाकी है। इसलिए पिछले तकरीबन तीस सालों के आंकड़ों का गहनता से आकलन बेहद जरूरी है। आपदाओं के पूर्वानुमान को भी बेहतर बनाना समय की मांग है। यही नहीं, आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा हिमालय के जटिल और प्राचीन भूभाग पर कार्बन युक्त एरोसोल के अध्ययन को नजरंदाज करना बहुत बड़ी चूक होगी। अध्ययन में खुलासा हुआ है कि हिमालय में वायु प्रदूषण में जीवाश्म ईंधन के जलने का ज्यादा असर पड़ रहा है। हिमालय अंचल में गाड़ियों की बढ़ती तादाद हवा में जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी का अहम कारण है। हिमालयी बस्तियों और शहरों के बढ़ते बोझ से अब हांफने लगा है। वहीं ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेजी से ग्लेशियर पिघलकर बनी झीलें जल प्रलय को आमंत्रण दे रही हैं। इसरो की मानें तो हिमालय क्षेत्र की 2432 ग्लेशियर झीलों में से 672 झीलों का तो आकार तेजी से बढ़ता ही जा रहा है।

थाने के पास चलीं ताबड़तोड़ गोलियां इलाके में सनसनी

» साढ़ कस्बे में बदमाशों ने होटल पर बोला हमला, स्कॉर्पियो के शीशे तोड़े, की हवाई फायरिंग

» थाने से मात्र 500 मीटर की दूरी पर चली गोलियां, फिर भी नहीं जागी पुलिस

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात उस वक्त सनसनी फैल गई जब थाने से महज पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक होटल में बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने होटल पर तोड़फोड़ के साथ फायरिंग की और मौके से फरार हो गए।

होटल संचालक पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि वह होटल के भीतर बने अपने घर में सो रहे थे, तभी देर रात चार अज्ञात बदमाश पहुंचे और दरवाजा पीटने लगे। जब दरवाजा नहीं खोला तो बदमाशों ने गालियां देते हुए फायरिंग शुरू कर दी। डर के मारे उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर लिया और डायल 112 पर सूचना दी। इस दौरान बदमाशों ने होटल के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो कार के शीशे तोड़ डाले और होटल परिसर में तोड़फोड़ की।

थाने के पास हुई वारदात, पुलिस रही बेखबर

थाने से कुछ ही दूरी पर गोलियां चलने के बावजूद पुलिस को भनक तक नहीं लगी। होटल संचालक ने आरोप लगाया कि करीब आधे घंटे तक बदमाश हंगामा करते रहे लेकिन थाने की पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अवनीश सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला नशे में हुए विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। अभी तक फायरिंग के ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं। वहीं एसीपी घाटमपुर कृष्णकांत यादव ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और तहरीर के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमजाल में फंसाकर जिम ट्रेनर ने युवती से की ज्यादती

» शादी का झांसा देकर बनाए अश्लील वीडियो, लाखों रुपये भी हड़पे

» मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विनायकपुर के एक जिम ट्रेनर की काली करतूत सामने आई है। जिम में एक्सरसाइज करने आने वाली युवती को ट्रेनर ने प्रेमजाल में फंसा लिया। शादी का झांसा देकर उससे नशा पिलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। यही नहीं, जिम खोलने के नाम पर युवती से 3.50 लाख रुपये भी ठग लिए। शादी का दबाव बढ़ने पर आरोपी ने आर्य समाज मंदिर में झूठी शादी रचाई और फिर ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी। परेशान होकर पीड़िता ने डीसीपी से गुहार लगाई।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बनाता रहा दबाव

कोहना थाना क्षेत्र निवासी युवती ने बताया कि वह नवीन नगर स्थित जिम में जाती थी, जहां ट्रेनर दीपक गौतम से उसकी जान-पहचान हुई। दीपक ने उसे प्रेमजाल में फंसा कर पीरोड स्थित होटल में बुलाया, जहां उसने नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिए। इसके बाद वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती से लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोपी ने जिम खोलने के नाम पर तीन लाख पचास हजार रुपये भी हड़प लिए।शिकायत पर मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक गौतम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया ने बताया कि मामले में साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

बीएनएसडी इंटर कॉलेज में गांधी एवं शास्त्री जयंती समारोह सम्पन्न

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बेनाझाबर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि डॉ. अनुपम दुबे (असिस्टेंट प्रोफेसर, जंतु विज्ञान विभाग, डी.बी.एस. कॉलेज, कानपुर) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच और सही दृष्टिकोण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के आदर्श हमें हर व्यक्ति में अच्छाई देखने की प्रेरणा देते हैं, वहीं शास्त्री जी का सादा जीवन और उच्च विचार ईमानदारी तथा कर्तव्यपरायणता की शिक्षा देते हैं। डॉ. दुबे ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, संकल्पशक्ति और दृढ़ इच्छा शक्ति से अपने लक्ष्य की प्राप्ति करने का संदेश दिया। अंत में उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को भावनात्मक बना दिया। कक्षा नवम व एकादश के विद्यार्थियों ने भजन ‘वैष्णव जन तो तेने कहिए...’ प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ब. माण्डवी त्रिपाठी और व. वैभवी मिश्रा ने हिन्दी में तथा भै. राघव पाण्डेय ने अंग्रेज़ी में अपने विचार रखे। नन्हे-मुन्ने छात्रों द्वारा डांडी मार्च पर आधारित लघु नाटिका भी प्रस्तुत की गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम का संचालन श्री रविशंकर (प्रभारी औदार्य निकेतन) ने किया तथा आभार प्रदर्शन अमित कुमार (कैप्टन औदार्य निकेतन) ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सार्वजनिक सूचना

हम, (1) रुतुम्भरा हार्दिक भट्ट, पुत्री चंद्रिका दुबे, वर्तमान निवासी- फ्लैट नं. जी-2, रचना- फ्लैट, सरदार पटेल स्कूल के पास, सप्तपति हॉल के सामने, कालियाबीड, भावनगर; तथा (2) शशिकला महावीर दीक्षित, पुत्री चंद्रिका दुबे, वर्तमान निवासी- 64/ए, मीरजापुर, कल्याणपुर, पनकी रोड, सांई गैलेक्सी गेस्ट हाउस और बालाजी स्वीट के पास, कानपुर के हैं। हम इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से निम्नलिखित विवरण सूचित करते हैं।

हमारी पैतृक कृषि योग्य भूमि जो सिरवनिया गाँव, तहसील शाहजहाँपुर, जिला देवरिया में खाता संख्या 00127 के तहत पंजीकृत है, और हमारी दूसरी भूमि जो शेरवा बभनोली, शैलमपुर मोजोली गाँव, तहसील बरहज, जिला देवरिया में खाता संख्या 00112 के तहत पंजीकृत है। इनका कुल माप क्रमशः 1-44-50 हेक्टेयर-एरिया-वर्ग मीटर और 1-50-40 हेक्टेयर-एरिया-वर्ग मीटर है। यह भूमि हमारी पैतृक संपत्ति है, जिसके हम कानूनी, सीधी रेखा के वारिसदार हैं।

यह संपत्ति हमारे दादा स्व. रमाकांतभाई दुबे की मृत्यु के बाद हमारे पिता चंद्रिका दुबे के हिस्से में आई भूमि में हम सीधी रेखा के वारिसदार हैं।

हमारे दादाश्री का निधन होने पर, नोटिस वाली संपत्ति विरासत के अधिकार से हमारे पिताश्री को प्राप्त हुई। हमारे पिताश्री ने देवीबेन दुबे से विवाह किया और हम उपर्युक्त दोनों उनकी कानूनी वारिसदार हैं।

हमारे पिताश्री ने हमारी माताश्री के जीवित रहते किसी अन्य स्त्री के साथ %फूलहार% (एक प्रकार का विवाह/संबंध) किया था, जिसे वे दूसरे पति/पत्नी का दर्जा दे रहे हैं और उनके बच्चों को कानूनी वारिसदार घोषित कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए, अन्य स्त्री या उनके बच्चे कानूनी वारिसों की श्रेणी में शामिल नहीं होते हैं। कानूनी वारिसों में चंद्रिका दुबे के पहले विवाह से उत्पन्न वारिस शामिल होते हैं, क्योंकि अन्य स्त्री के साथ किया गया %फूलहार% विवाह, विवाह की आवश्यक शर्तों को पूरी तरह से प्रमाणित नहीं करता है, इसलिए उस विवाह को कानूनी नहीं माना जा सकता है।

हमारी माताश्री का दुःखद निधन दिनांक 01-12-2023 को हुआ। उनके वारिसों का नाम नोटिस वाली भूमि में दर्ज करने के बजाय, हमारे पिताश्री किसी भी तरह से नोटिस वाली संपत्ति को निपटाने या अन्य स्त्री के बच्चों को किसी भी प्रकार से देने का मनसूबा बना रहे हैं। ऐसा करने का उन्हें कोई हक या अधिकार नहीं मिलता है।उक्त कृषि भूमि में हमारा कानूनी हिस्सा समाहित है, जिसका बँटवारा नहीं किया गया है, और न ही हमारा समाहित हक किसी और के पक्ष में हस्तांतरित किया गया है।

ऐसे में, हमारे हक, अधिकार और हिस्से वाली संपत्ति को नष्ट करने के प्रयास हमारे पिता, चंद्रिका दुबे द्वारा हमारे प्रति किए जा रहे हैं।जिस पैतृक संपत्ति (कृषि भूमि) में हमारा हक-हिस्सा समाहित है, उसका किसी भी प्रकार से निपटान करने या हटाने का कोई हक कानून में हमारे पिता को प्राप्त नहीं है। इसलिए, यदि हमारी सहमति के बिना हमारी हक-हिस्से वाली कृषि भूमि को किसी भी तरह से हस्तांतरित या बेचने के प्रयास किए जाते हैं,

तो ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ उनके खर्चे और जोखिम पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए हमें मजबूर होना पड़ेगा।हम आम जनता को यह भी सूचित करते हैं कि हमारे पिताश्री भी वर्तमान में गुजरात में भावनगर में टोयोटा शोरूम के पीछे, आखलोल जकातनाका के पास, कई वर्षों से रह रहे हैं।यदि कोई व्यक्ति ऐसे कोई भी अवैध कार्य करता है, तो वे कार्य हम पर बाध्यकारी नहीं होंगे। यदि हमें कोई कानूनी नोटिस दिए बिना कोई कार्य किया गया होगा, तो ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करने के लिए हमें मजबूर होना पड़ेगा।

उपर्युक्त संपत्तियों के अलावा यदि कोई अन्य पैतृक संपत्ति भी मिलती है, तो उसमें भी हमारा हक और हिस्सा अबाधित रहेगा, जिसका आम जनता को ध्यान रखना चाहिए।किसी भी फर्म, संस्था, बैंक या अन्य तीसरे पक्ष को उपर्युक्त संपत्तियाँ नहीं खरीदनी चाहिए। अन्यथा, ऐसे सभी व्यक्तियों के खिलाफ उनके खर्चे और जोखिम पर हमारे मुवक्किल को कानूनी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

भावनगर
दिनांक: 03-10-2025
R.H. Bhatt (मुवक्किल के हस्ताक्षर)

शपथ पत्र (Sogandnamun)

मैं, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, रुतुम्भरा हार्दिक भट्ट, पुत्री चंद्रिका दुबे, उम्र लगभग 33 वर्ष, धंधा- घर का काम, वर्तमान निवासी- फ्लैट नं. जी-2, रचना-2फ्लैट, सरदार पटेल स्कूल के पास, सप्तपति हॉल के सामने, कालियाबीड, भावनगर की, अपने धर्म की सत्य प्रतिज्ञा और शपथ पर घोषित करती हूँ कि-

उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना में बताई गई सभी जानकारी, जैसे कि आई हुई कृषि योग्य भूमि में हमारा कानूनी हक-हिस्सा समाहित है, और हम इस संपत्ति को पूरी तरह से अपनी पैतृक संपत्ति बता रहे हैं, यह हम सत्य और शपथ पर घोषित करते हैं।हमें ज्ञात है कि झूठा शपथ पत्र देना एक फौजदारी अपराध है।उपर्युक्त नोटिस में बताई गई सभी हकीकतें मेरे बताने और लिखवाने के अनुसार सत्य और सही हैं, जिसे मैं अपने धर्म की शपथ पर घोषित करती हूँ।

भावनगर (गुजरात)।
दिनांक 03-10-2025
R.H. Bhatt
(शपथकर्ता के हस्ताक्षर)

त्वरित कार्रवाई

स्वराज इंडिया की खबर का कहर

लापरवाह एसएचओ सस्पेंड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» प्रेमप्रसंग में मौत से पहले दी गई थी तहरीर, पर पुलिस रही लापरवाह

» एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने कार्रवाई कर एसएचओ को किया सस्पेंड

कानपुर देहात।जंगल में जीजा-साली के कंकाल मिलने के मामले में स्वराज इंडिया की खबर का बड़ा असर हुआ है। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने लापरवाही बरतने वाले देवराहट थाना प्रभारी सुनील तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।आरोप है कि मृतका सुनीता के चाचा रामदीन ने 30 सितंबर को थाना देवराहट में लिखित तहरीर दी थी कि भतीजी को उसका जीजा उमाकांत बहला-फुसलाकर ले गया है।

लेकिन एसएचओ ने न तो मुकदमा दर्ज किया और न ही कोई कार्रवाई की। कुछ ही दिनों बाद दोनों के शव जंगल में मिले। स्वराज इंडिया ने खोली थी लापरवाही की पोलइस सनसनीखेज मामले में स्वराज इंडिया ने सबसे पहले खुलासा किया था कि पुलिस की लापरवाही दो जिंदगियों पर भारी पड़ी। खबर के प्रकाशन के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने स्वयं मामले का संज्ञान लिया और जांच के बाद देवराहट एसएचओ को निलंबित कर दिया। बताया जा रहा है कि एसएचओ तहरीर को दबाकर बैठ गए थे और न ही उन्होंने गुमशुदगी दर्ज की। विभागीय जांच में इसे गंभीर लापरवाही माना गया है।अब एसपी ने साफ किया है कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मामले की आगे उच्चस्तरीय जांच कराई जा रही है।

स्वराज इंडिया
Swaraj India
03 Oct 2025 - Page 8
जंगल में मिला जीजा-साली का कंकाल, पुलिस जांच पर उठे सवाल
» देवराहट पुलिस ने समय पर की होती जांच, तो बच सकती थी दो जिंदगियां
» प्रेम प्रसंग में उलझा मामला, मौके से मिली जहर की पुड़िया और ग्लास
» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

सरवनखेड़ा में मिशन शक्ति कार्यक्रम, आत्मनिर्भरता पर जोर

» सीडीओ के निर्देश पर पंचायत भवन में हुआ आयोजन

» महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आत्मनिर्भर बनने का संदेश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी कानपुर देहात के निर्देशानुसार शनिवार को न्याय पंचायत सरवनखेड़ा के पंचायत भवन में मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) विमल सचान ने की, जिन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और समाज कल्याण विभाग से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती अचला ने आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित योजनाओं की जानकारी दी और सरकार की मंशा महिलाओं एवं बालिकाओं के सर्वांगीण विकास की है।

ग्राम पंचायत के सक्रिय सहयोगी कमलेश मिश्रा ने मिशन शक्ति से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी साझा की।

हर योजना में महिला सशक्तिकरण पर जोर

ग्राम संगठन सरवनखेड़ा की अध्यक्ष दीपिका सिंह ने महिलाओं से अपील की कि वे हर योजना में सजगता और सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश के फीडबैक देने की भी अपील की।कृषि विभाग के मुकेश सिंह ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और उन्नत बीज वितरण योजनाओं की जानकारी दी। वहीं सचिव श्याम सुंदर और दीपक यादव ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।ग्राम प्रधान अनिल बाजपेई ने मिशन शक्ति के तहत सभी पात्र महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ निष्पक्ष रूप से दिलाने पर जोर दिया, जबकि ग्राम पंचायत भैंथाना के प्रधान मनोज पासवान ने स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया।कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी विमल सचान, प्रधान अनिल बाजपेई, प्रधान मनोज पासवान, जनसेविका दीपिका सिंह सेंगर, कमलेश मिश्रा, सीडीपीओ अचला, सचिव श्याम सुंदर, रोजगार सेवक भोले सिंह, पंचायत सहायक शिवम पांडे, सहित सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा, संगिनी, समूह सखियां और ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे।

त्योहारों में सुरक्षा को लेकर गजनेर पुलिस सतर्क, व्यापारियों संग की बैठक

» व्यापारिक सुरक्षा प्रकोष्ठ ने व्यापारियों को किया जागरूक, साइबर फॉड से सतर्क रहने की दी सलाह

» व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता बोले सुरक्षित माहौल में त्योहार मनाना सबकी जिम्मेदारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात।त्योहारों के सीजन में कानून-व्यवस्था और व्यापारिक सुरक्षा को लेकर गजनेर पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई है। एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें गजनेर थाना पुलिस और व्यापारिक सुरक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने व्यापारियों से संवाद किया।बैठक में प्रभारी संतोष सिंह, मुकेश चौधरी और मुकेश ने उपस्थित व्यापारियों को अपनी दुकानों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी आपराधिक घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही, साइबर फॉड और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की सलाह भी दी गई।

व्यापारियों को मिला पुलिस का भरोसा, मिलजुलकर मनाएंगे त्योहार बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता ने कहा कि शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाना हमारी साझा जिम्मेदारी है। व्यापारी पुलिस के साथ तालमेल बनाए रखें, ताकि किसी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।इस दौरान महामंत्री दीपू परिहार, कोषाध्यक्ष राजेश सचान, जिला कोषाध्यक्ष संतोष चौहान, राकेश सिंह, राजू, ओमर, विजय, गोविंदा, इमरान, जतिन, नवाब खान और बाल मुकुंद शुक्ला सहित कई व्यापारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि त्योहारों के दौरान गश्त और निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि कोई भी असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ न सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l
Website: www.swarajindianews.com l (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

औद्योगिक क्षेत्र जैनपुर की गड्ढों में समा रही सड़कें

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। औद्योगिक क्षेत्र जैनपुर की जीवनरेखा कही जाने वाली पेप्सी चौराहा से बनार अलीपुर तक डामर रोड जर्जर हालत में पहुंच चुकी है। जगह-जगह 6 से 10 मीटर चौड़े गड्ढों ने ग्रामीणों व राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

ग्रामीण बलराम शर्मा निवासी स्वरूपपुर जैनपुर ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग की है। उनका कहना है कि यह सड़क न केवल औद्योगिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए बल्कि गांव के लोगों, खासकर स्कूली बच्चों के लिए भी आवागमन का मुख्य मार्ग है।

पेप्सी चौराहा और स्वरूपपुर नई बस्ती के बीच प्राथमिक व जूनियर विद्यालय स्थित हैं, जहां प्रतिदिन बच्चे इसी खस्ताहाल रास्ते से होकर गुजरते हैं और आए दिन चोटिल हो जाते हैं।

ग्रामीणों ने चेताया है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात में हालात और बदतर हो जाएंगे

तथा दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाएगा। लोगों ने जिलाधिकारी से शीघ्र संज्ञान लेकर डामर रोड की मरम्मत कराने की संस्तुति करने की अपील की है।

ग्रामीणों की मांग है कि जर्जर सड़क को दुरुस्त कर आवागमन की समस्या दूर की जाए, जिससे औद्योगिक क्षेत्र के कामगारों और छात्रों को राहत मिल सके।

सीपी जोगेंदर कुमार ने जनसुनवाई में सुनी त्वरित फरियादियों की समस्याएं

» विभाग को दिए जल्द से जल्द निस्तारण के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। आम जनता की शिकायतों के समाधान को लेकर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को पुलिस आयुक्त जोगेंदर कुमार ने अपने कार्यालय में प्रातः 10 बजे से 12:30 बजे तक जनसुनवाई की।जनसुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। पुलिस आयुक्त ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की बात ध्यानपूर्वक सुनी और अधिकारियों

को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान प्राथमिकता पर होगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीपी जोगेंदर कुमार ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा हर समस्या का न्यायोचित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

कर्मचारियों पर अत्याचार के खिलाफ धरना प्रदर्शन 8 अक्टूबर को

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर नगर निगम कर्मचारियों के साथ हो रही मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी की बढ़ती घटनाओं को लेकर कर्मचारी संयुक्त संघ (6828) ने आक्रोश जताया है। संघ का आरोप है कि इस तरह की घटनाओं पर नगर निगम और जिला प्रशासन पूरी तरह मौन है।संघ पदाधिकारियों ने बताया कि दिनांक 06 अगस्त 2025 को इस संबंध में 14 सूत्रीय मांगपत्र विभाग को सौंपा गया था, लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है।इसी क्रम में मौन प्रशासन को नींद से जगाने के लिए संघ एवं आक्रोशित कर्मचारी दिनांक 08 अक्टूबर 2025, बुधवार, दोपहर 12 बजे से मोतीझील स्थित नगर निगम मुख्यालय, कानपुर पर धरना प्रदर्शन करेंगे।

संघ ने नगर निगम, केडीए और जलकल विभाग की सभी ट्रेड यूनियनों से भी कर्मचारी हित में इस धरने में शामिल होने की अपील की है।इस संबंध में अध्यक्ष धीरज गुप्ता और महामंत्री हरीओम बाल्मीकि ने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान से समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्नाव जिला अस्पताल : खरीद कर पानी पीने को मजबूर मरीज़

» जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्था उजागर!

» पानी की किल्लत और गंदगी से मरीज बेहाल, आवारा पशुओं ने बढ़ाई परेशानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। उमाशंकर दीक्षित जिला अस्पताल की हालत इन दिनों बेहद खराब है। अस्पताल परिसर में पानी की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। कई नलों में पानी नहीं आता, और जहां आता भी है, वह गंदा तथा पीने योग्य नहीं है।

सबसे शर्मनाक स्थिति विकलांग कार्यालय के सामने देखने को मिली, जहां आवारा पशुओं का गोबर और मूत्र का ढेर जमा है।

इससे पूरे परिसर में दुर्गंध फैल रही है और मरीजों व उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य सुविधा का यह केंद्र अब खुद बीमारियों का अड्डा बनता जा रहा है। स्वच्छता अभियान के नाम पर सरकार और प्रशासन भले ही दावे करें, लेकिन जिला अस्पताल की हकीकत उन दावों को झुठलाती नज़र आती है।

मरीजों और परिजनों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर साफ-सफाई और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि अस्पताल आने वाले लोगों को राहत मिल सके।

इस दिवाली जेडईई 5 पर होगा धमाका

» ट्रेलर में रोमांचक पीछा, सिहरन पैदा करने वाले दृश्य और अरशद-जितेंद्र के बीच जबरदस्त टकराव दिखाया गया

» अरशद वारसी और जितेंद्र कुमार की थ्रिलर भागवत चैप्टर वन , राक्षस 17 अक्टूबर को होगी रिलीज़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर, अक्टूबर 2025। भारत के सबसे बड़े स्वदेशी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म ZEE5 ने अपनी बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल फिल्म भागवत चैप्टर वन- राक्षस का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। यह फिल्म 17 अक्टूबर को विशेष रूप से ‘श्वश्व5 पर प्रीमियर होगी।जियो स्टूडियोज़, बावजा स्टूडियोज़ और डॉग ‘एन’ बोन पिक्चर्स के सहयोग से बनी इस थ्रिलर का निर्देशन अक्षय शेरे ने किया है। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी और वेब सीरीज़ पंचायत फेम जितेंद्र कुमार पहली बार साथ नज़र आएंगे।कहानी उत्तर प्रदेश के रॉबर्ट्सगंज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (अरशद वारसी) एक खौफनाक हत्याओं की गुत्थी सुलझाने की कोशिश करते हैं। वहीं, जितेंद्र कुमार समीर की भूमिका में हैं, जो बाहर से साधारण इंसान नज़र आते हैं लेकिन उनके भीतर कई डरावने रहस्य छिपे हैं।ट्रेलर में रोमांचक पीछा, सिहरन पैदा करने वाले दृश्य और अरशद-जितेंद्र के बीच जबरदस्त टकराव दिखाया गया है।

निर्देशक अक्षय शेरे का कहना है

यह फिल्म सिर्फ एक क्राइम थ्रिलर नहीं है, बल्कि नैतिकता, प्रायश्चित और आंतरिक संघर्षों की गहरी पड़ताल है। अरशद और जितेंद्र ने अपने किरदारों को बेहद गहराई से जिया है।अरशद वारसी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा—यह किरदार मेरे करियर का सबसे भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। यह सिर्फ अपराध सुलझाने की कहानी नहीं, बल्कि अपने अंदर की लड़ाइयों से जूझने की दास्तान है।वहीं जितेंद्र कुमार का कहना हैसमीर का किरदार मेरे अब तक किए गए सभी किरदारों से अलग है। इसमें कई परतें हैं, जो दर्शकों को हैरान करेंगी।

एसडीएम विवाद में अकेले पड़ गए विधायक जी !

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» अयोध्या भाजपा नेताओं की रहस्यमयी चुप्पी से रामनगरी की राजनीति में भूचाल –भाजपा के भीतर 'साइलेंट वॉर

अयोध्या। रामनगरी की राजनीति में इन दिनों एक अजीब-सा सन्नाटा पसरा है। रुदौली एसडीएम विकास धर दुबे प्रकरण ने न सिर्फ प्रशासनिक हलकों में हलचल मचाई है बल्कि भारतीय जनता पार्टी की अंदरूनी गुटबाज़ी को भी उजागर कर दिया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पार्टी के प्रमुख नेता आखिर चुप क्यों हैं?रुदौली से विधायक रामचंद्र यादव लगातार एसडीएम विकास धर दुबे के खिलाफ मुखर हैं। उन्होंने खुले तौर पर शासन से कार्रवाई की मांग की, लेकिन हैरानी की बात यह है कि पार्टी का एक भी वरिष्ठ नेता या विधायक उनके समर्थन में खुलकर सामने नहीं आया। यह चुप्पी केवल राजनीतिक संयम नहीं, बल्कि अंदरूनी सियासी दूरी का संकेत मानी जा रही है।

» सबसे बड़ा सवाल यह है कि विधायक रामचन्द्र यादव व एसडीएम प्रकरण में भाजपा में सन्नाटा क्यों?

» रुदौली एसडीएम प्रकरण पर पार्टी नेताओं की चुप्पी चौंकाने वाली — अयोध्या में गुटबाज़ी का नया अध्याय खुला?

पूर्व सांसद लल्लू सिंह के बाद अगर अयोध्या भाजपा में कोई सत्ता का केंद्र माना जाता है तो वह विधायक रामचंद्र यादव हैं। लेकिन सूत्र बताते हैं कि पार्टी के एक बड़े वर्ग में लल्लू सिंह खेमे से दूरी बनाने वाले नेता अब भी पूरी तरह विधायक के साथ नहीं हैं। एसडीएम विवाद पर कई नेताओं ने 'तटस्थता' की ओट ले ली है, ताकि किसी पक्ष में खड़े होने का जोखिम न उठाना पड़े।

इस पूरे विवाद में रुदौली सहकारी गन्ना समिति गनौली रौजागांव के अध्यक्ष निर्मल शर्मा का पत्र सबसे ज्यादा सुर्खियों में है।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर एसडीएम के गैर जनपद स्थानांतरण और कार्रवाई की मांग की।लेकिन इस पत्र ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया–

एसडीएम विकास धर दुबे

बीजेपी विधायक राम चन्द्र यादव

जब विधायक स्वयं शिकायतकर्ता हैं, तो पार्टी संगठन और अन्य विधायक चुप क्यों? राजनीतिक परंपरा रही है कि जब किसी जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी के बीच विवाद होता है, तो पार्टी के नेता निष्पक्ष जांच की मांग जरूर करते हैं। लेकिन इस मामले में किसी भी भाजपा विधायक या पदाधिकारी ने ऐसा कदम नहीं उठाया।यह चुप्पी, दरअसल, सत्ता के भीतर की दरारों को उभारती है। रुदौली,गोसाईगंज, मिल्कीपुर और अयोध्या की चारों सीटों पर भाजपा के विधायक हैं फिर भी कोई नहीं बोला।

राजनीतिक जानकारों का कहना है

रुदौली विवाद दरअसल अयोध्या भाजपा के दो पावर सेंटर्स की खींचतान का नतीजा है। विधायक रामचंद्र यादव अब भी खुद को 'फील्ड कमांडर' मानते हैं,

जबकि संगठन उन्हें 'नियंत्रण में' रखने की रणनीति पर काम कर रहा है।अब गेंद शासन के पाले में है। विधायक की शिकायत

सही है या एसडीएम विकास धर दुबे अपने दायित्वों का सही निर्वहन कर रहे हैं

यह आने वाले शासनादेश से स्पष्ट होगा। लेकिन फिलहाल एक बात तय है अयोध्या भाजपा में सब कुछ राम भरोसे नहीं, बल्कि गुटों के भरोसे चलता दिख रहा है।

अधिवक्ता पर हमले से उबला कचहरी कैंपस

» वकीलों का प्रदर्शन, कामकाज ठप, अयोध्या कोतवाल के निलंबन की मांग

» चेतावनी–सोमवार को नहीं हुई कार्रवाई तो कोतवाली का होगा घेराव

घायल अधिवक्ता खतरे से बाहर

जानलेवा हमले में घायल अधिवक्ता आलोक सिंह का लखनऊ मेदांता में इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत अब स्थिर है। वहीं, हमलावर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जो फिलहाल कस्टडी में है।वकीलों के इस सख्त रुख से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। सोमवार को संभावित कोतवाली घेराव को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की तैयारी शुरू कर दी है।

मनोज शर्मा के रहते निष्पक्ष जांच संभव नहीं -अब या तो निलंबन होगा या आंदोलन और तेज।

सूर्य नारायण सिंह, अध्यक्ष, बार एसोसिएशन अयोध्या

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।अधिवक्ता व भाजपा नेता पूर्व पार्षद आलोक सिंह पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में शनिवार को अयोध्या कचहरी परिसर गुस्से से उबल पड़ा।सैकड़ों वकील नारेबाजी करते हुए सड़कों पर उतर आए। बार एसोसिएशन ने न्यायिक कामकाज पूरी तरह ठप रखा। स्टांप वेंडरों ने भी एकजुटता दिखाते हुए अपनी दुकानें बंद कर दीं, जिसके चलते पूरे दिन कोई रजिस्ट्री नहीं हो सकी। इससे सरकार को लाखों रुपये का राजस्व नुकसान हुआ।

बार अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह और पूर्व अध्यक्ष कालिका मिश्रा ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी यदि अयोध्या कोतवाली प्रभारी मनोज शर्मा को तत्काल निलंबित नहीं किया गया, तो सोमवार को वकील कोतवाली का

घेराव करेंगे।

वकीलों ने आरोप लगाया कि हमले के मामले में पुलिस की भूमिका संदिग्ध है और अब तक न्याय की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

पुलिस को चेतावनी, गूंजा नारा — न्याय दो या कुर्सी छोड़ो!

प्रदर्शन के दौरान कचहरी परिसर में न्याय दो या कुर्सी छोड़ो के नारे गूंज उठे। वकीलों ने कहा कि अगर पुलिस ने अभद्रता की या मनमानी की, तो प्रशासन को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।अधिवक्ता बोनी सिंह, विभाशु सिंह, कौसलेन्द्र सोनकर, रोहित सिंह, शिवदयाल, सिद्धार्थ श्रीवास्तव समेत सैकड़ों वकील आंदोलन में शामिल रहे।

प्रेम हॉस्पिटल सील फिर भी धंधा जारी

» मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई ने खोला बड़ा राज़

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। तारुन ब्लॉक स्थित प्रेम हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान एक महिला की मौत ने पूरे इलाके को हिला दिया। स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए प्रेम हॉस्पिटल को पूरी तरह सील कर दिया, जबकि दूसरे निजी अस्पताल का ऑपरेशन थिएटर बंद करा दिया गया। मौत की यह घटना अब जिले में निजी अस्पतालों की लापरवाही और सांठगांठ पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।मिली जानकारी के अनुसार, मृतका सुमन का इलाज प्रेम हॉस्पिटल, तारुन में चल रहा था। परिजनों के मुताबिक डॉक्टरों ने पहले सामान्य प्रसव का भरोसा दिलाया, लेकिन जब स्थिति बिगड़ी तो उसे वैष्णवी हॉस्पिटल और फिर एक अन्य अस्पताल में रेफर कर दिया गया।रास्ते में ही सुमन की मौत हो गई।परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा हमें पूरी सच्चाई नहीं बताई गई। जब खून चढ़ाया जा रहा था, तब भी यह नहीं बताया गया कि क्यों और कितना।

डॉक्टरों की लापरवाही ने हमारी बेटी की जान ले ली।मृतका के परिजनों की शिकायत पर सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बानियान के निर्देश पर जांच की गई। जांच में प्रेम हॉस्पिटल में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं अस्पताल का लाइसेंस नवीनीकृत नहीं था,प्रशिक्षित स्टाफ की कमी, ब्लड ट्रांसफ्यूज़न नियमों का उल्लंघन,मरीजों को भ्रमित करने वाले दस्तावेज़। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत प्रेम हॉस्पिटल को सील कर दिया और दूसरे अस्पताल का ओटी बंद करा दिया।

सील के बाद फिर से खुलने का खेल–जनता में उठे सवालस्थानीय लोगों का आरोप है कई अस्पताल पहले भी सील हुए,लेकिन कुछ महीनों में वही फिर से खुल गए। आखिर यह खेल कौन खेलता है?

जिले में ऐसे दर्जनभर अस्पताल हैं जो पहले कार्रवाई की जद में आए, लेकिन अब फिर से चालू हैं।क्या सभी ने मानक पूरे कर लिए हैं, या फिर किसी 'भीतरघात' ने रास्ता खोल दिया?अगर किसी मरीज की मौत के बाद अस्पताल सील होता है, तो वही अस्पताल कुछ महीनों में दोबारा कैसे चलने लगता है?पारदर्शिता की कमी और जांच रिपोर्टों की गोपनीयता ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है।अयोध्या के निजी अस्पताल इलाज के नाम पर लूट और लापरवाही के अड्डे बन चुके हैं। सील की कार्रवाई अब सिर्फ दिखावा बनकर रह गई है। प्रेम हॉस्पिटल की यह घटना 'मौत के कारोबार' की नई मिसाल है। सवाल है अगली सुमन कौन होगी?

बेटियों को एक और सौगात, मुफ्त ड्राइविंग सिखाएगी योगी सरकार

बोले सीएम- एक पेड़ मां के नाम की तर्ज पर चेकडैम, तालाब निर्माण को बनाएं जनांदोलन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। महिला एवं बाल विकास विभाग ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत शुक्रवार को पूरे प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय बालिका सप्ताह थीम पर ड्राइविंग माय ड्रीम्स कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी जिलों में 100-100 बालिकाओं व महिलाओं का चयन कर उन्हें मुफ्त ड्राइविंग प्रशिक्षण दिए जाने की मुहिम शुरू की गई है। महीने भर यह अभियान चलाया जाएगा।

डिग्री कॉलेजों व विश्वविद्यालयों की छात्राओं खासकर ग्रामीण अंचल की बेटियों ने इसमें उत्साहपूर्ण ढंग से प्रतिभाग किया। उन्हें ट्रैफिक के नियम भी बताए गए। दक्ष प्रशिक्षकों ने इन्हें वाहन चलाने की बारीकियां समझाईं। बेटियों ने पहली बार हैंडल व स्टीयरिंग संभालकर अपना वाहन दौड़ाया तो उन्हें आत्मविश्वास की नई अनुभूति हुई। यही नहीं प्रशिक्षण के बाद उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी दिलाया जाएगा। जिससे वह खुद का वाहन चला सकें और जरूरत पड़ने पर इससे धन भी अर्जित कर सकें। विभाग 11 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस धूमधाम से मनाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप वर्षा जल को रोककर धीरे-धीरे उसे भूमि में समाहित होने देते हैं। यह केवल स्थानीय प्राथमिकता नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं बल्कि समेकित जल प्रबन्धन है, जो बड़े बांधों की तुलना में यह काफी किफायती है। उन्होंने निर्देशित किया कि 'एक पेड़ मां के नाम' की तर्ज पर जनांदोलन बनाते हुए चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराएं।

मिट्टी निकालने की छूट दें

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा जल संचयन और ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम उठा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक 1,002 चेकडैमों की डी-सिल्टिंग और मरम्मत कर उनकी क्षमता में वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रदेश के 1 से 5 हेक्टेयर के 16,610 तालाबों में से 1,343 का पुनर्विकास और जीर्णोद्धार किया गया है, वहीं वर्ष 2017-2025 तक 6192 ब्लास्टकूप के माध्यम से 18576 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बरसात से पहले यानी 1 अप्रैल से 15 जून तक कुम्हारों को तालाब से मुफ्त मिट्टी निकालने की छूट दी जाए, ताकि तालाब रिचार्ज के लिए तैयार हो सकें। बरसात के बाद इन्हें मत्स्य पालन और सिंघाड़ा उत्पादन के लिए उपयोग में लाकर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं।

सपा बहादुर का डेलिगेशन को बरेली भेजना बचकाना और बड़ी नौटंकी

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने अखिलेश यादव और पार्टी नेताओं पर साधा निशाना

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के बरेली जाने को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा को निशाने पर लिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, सपा बहादुर अखिलेश यादव का बरेली में प्रतिनिधिमंडल भेजना नौटंकी और बचकाना कदम है। सपा की पहचान मुस्लिम तुष्टिकरण की गंदी राजनीति से है। विधानसभा चुनाव 2027 में सपा की दुर्दशा और सफाया होना तय है। यूपी दंगा मुक्त, सुशासन व क़ानून व्यवस्था हमारी पहचान और उपलब्धि है। सपाइयों को यही रास नहीं आ रहा है।

दरअसल, 26 सितंबर को बरेली में हुए बवाल के बाद हालात तनावपूर्ण हैं। इसी बीच विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय समेत कई सांसद और सपा नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को बरेली जाने वाला था।

इससे पहले बरेली के जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस आयुक्त लखनऊ और अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि बिना इजाजत के कोई भी राजनीतिक प्रतिनिधि जिले में नहीं आएगा। इस पत्र के बाद पुलिस अलर्ट हो गई। इसको लेकर पुलिस नेता प्रतिपक्ष को नोटिस दिया। साथ ही उनके आवास पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। उधर, बरेली जा रहे समाजवादी पार्टी के एक सांसद प्रतिनिधिमंडल (जिसमें मोहिबुल्लाह नदवी, इकरा हसन और हरेंद्र सिंह मलिक शामिल थे) को यूपी पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गाजीपुर सीमा पर रोक दिया है। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि हमें बरेली जाने से रोका जा रहा है। यह असंवैधानिक है।

कोचिंग सेंटर में विस्फोट, दो बच्चों की मौत, छह हुए घायल

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में शनिवार दोपहर एक कोचिंग सेंटर में भीषण विस्फोट हो गया। धमाके में दो लोगों की मौत हो गई है और छह लोग घायल हैं। घटना थाना कादरी गेट क्षेत्र के सातनपुर मंडी के पास स्थित कोचिंग सेंटर में हुई।

विस्फोट इतना भीषण था कि कोचिंग सेंटर की इमारत का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया और मलबा 20 से 30 मीटर दूर तक बिखर गया। इससे आसपास के कई मकानों और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। फिलहाल धमाके का कारण नहीं पता चल सका है। फोरेंसिक टीम भी जांच में जुटी है। सीएम योगी ने भी घटना का संज्ञान लिया है। अधिकारियों को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया है।